amaan.cooldude18
राज
कॉमिक्स
मूल्य 15.00 संख्या 375
बकोरा का जादू
नागराज
मुफ्त
नागराज का एक पोस्टर
PRATAP MULICK
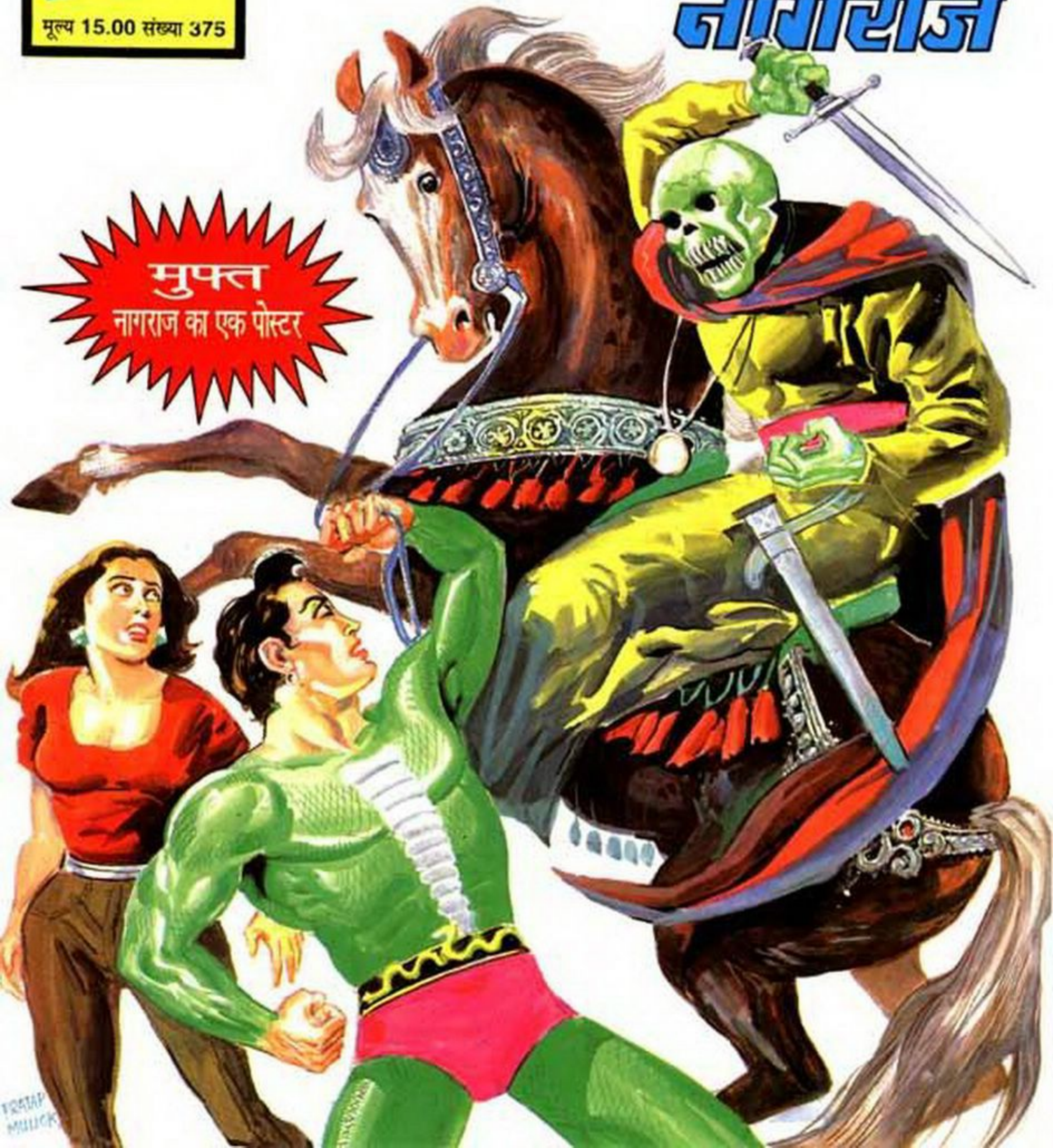
नागराज और
कोरा का जादू
लेखक :- तरुण कुमार वाही
चित्रांकन :- प्रताप मुळीक
सम्पादन :- मनीष चन्द्र गुप्त
ागभग ढाई हजार वर्ष पूर्व 'मध्य रूस' में फैला था
जी घुड़सवार 'सीथियनों' का आतंक।
नागराज सीरीज TM
क मान्यता थी कि जो सीथियन जितना अधिक
लूटपाट व हत्याएं करता उतने बड़े सम्मान का
धिकारी बन जाता।
हा हा हा। मेरे पास हैं दुश्मनों की सबसे ज्यादा खोपड़ियां इस वर्ष मुझे मिलेगा 'सीथियन हत्यारा' सम्मान।
पूरे विश्व में गूंजेगी सीथियनों की हत्यारी तलवारों व सोने के आभूषणों की झंकार।
जिनकी क्रूरता की ये हद थी कि किसी सीथियन राजा की मृत्यु पर
सके साथ सैकड़ों घोड़े, पचासियों सेवक और सेविकाएं गला घोंटकर,
सोने के बरतनों के साथ मकबरे में दफना दिए जाते थे।
बाद में सीथियनों से भी क्रूर व जालिम 'सोरमेटा' कबीले से संघर्ष के कारण सीथियन पूरी तरह नष्ट हो गये।

* खजार रूस के एक स्थान का नाम!

धूल भरी आंधी छंटी। सीथियनों को पहचान कर चीख पड़ा कोई –
सीथियन! खूनी सीथियन हैं ये।
इतिहास से निकल कर बाहर आ गए हैं सीथियन। उफ!
सीथियन दल का राजा बुल्गार –
लूट लो पूरे खजार को।
सैकड़ों की संख्या में टिड्डी दल की तरह फैल गए सीथियन खजार के चप्पे-चप्पे पर –
लूटो
लूटो
पूरे नगर पर कब्जा कर लिया था जालिमों ने –
खजारों में दहशत मचा दी थी –
सीथियन लूटते हैं सिर्फ सोना।
नहीं

सोने के अलावा सीथियनों की एक और प्यास थी। खून की —
ताजा और गर्म लहू मदिरा में मिलाकर पीते हैं हम।
बुल्गार की 'मस्क' मदिरा व रक्त से छलक उठी —
वाह! अब आयेगा मदिरा पान का असली मजा।
ऐसा कत्ल-ए-आम सभ्य दुनिया के इतिहास में कभी न हुआ होगा —
इस बार मुझे हासिल करना है 'सीथियन किलर-एवार्ड'!
ऐसी लूट कभी न हुई होगी —
सारा सोना ले लो पर मुझे बख्श दो।
नहीं। सोने के साथ मुझे चाहिये तेरा सिर भी, क्योंकि जिसके होते हैं सबसे ज्यादा सिर उसी सीथियन को सरदार बनाकर भेजता है बुल्गार अपनी सेना के साथ लूटपाट पर।
और निर्ममता से काट डाला गया उसका सिर।
पांच हजार की आबादी थी खजारों की और छः हजार की संख्या थी सीथियनों की!
हा हा हा। अब हम सबने जो सिर काटे हैं उनकी गिनती होगी और विजेता ही बनेगा अगली लूट का सरदार।
रूस में सोना सिर्फ बुल्गार के पास ही मिलेगा। हा हा हा। पूरे खजार को कंगालिस्तान बना दो।

गिनती हुई और विजेता बना अगली लूट का सरदार, एक के बाद एक नगरों व कस्बों को लूटता चला गया सीथियनों का वह काफिला।

कानून के रक्षक इस फौज के आगे बुरी तरह असफल हुए—
धड़ाम
उफ! बारूदी तीरों की वर्षा!
रैट रैट
रैट

रूसी जासूसी एजेन्सी के.जी.बी. यानि कोमितेत गोसुदरस्तवेन्नोई बेजोपास्तनोस्ती यानी सोवियत राज्य सुरक्षा समिति, के चीफ आंद्रीपोव—
आज तक पता नहीं चल पाया कि हजारों सालों तक लुप्त प्राय: रहने के बाद खूनी सीथियन एकाएक फिर कहां से पैदा हो गये?

आंद्रीपोव के सामने बैठी थी के.जी.बी. की जहीन जासूस सूसन—
सूसन! के.जी.बी. के कई जासूस लापता हो गए इस मिशन पर।
लेकिन सूसन आपको यह केस हल कर के दिखाएगी।
सूसन निकल पड़ी सिथियनों की तलाश में।

इधर सीथियन घुड़सवारों की फौज निकल पड़ी थी अपनी अगली लूट के लिए। बुल्गार की आंखों से लहू सा टपक रहा था—
आज हमारा शिकार होगा बुखारा और बुखारा के सोने के व्यापारी।
सोना! सोना!
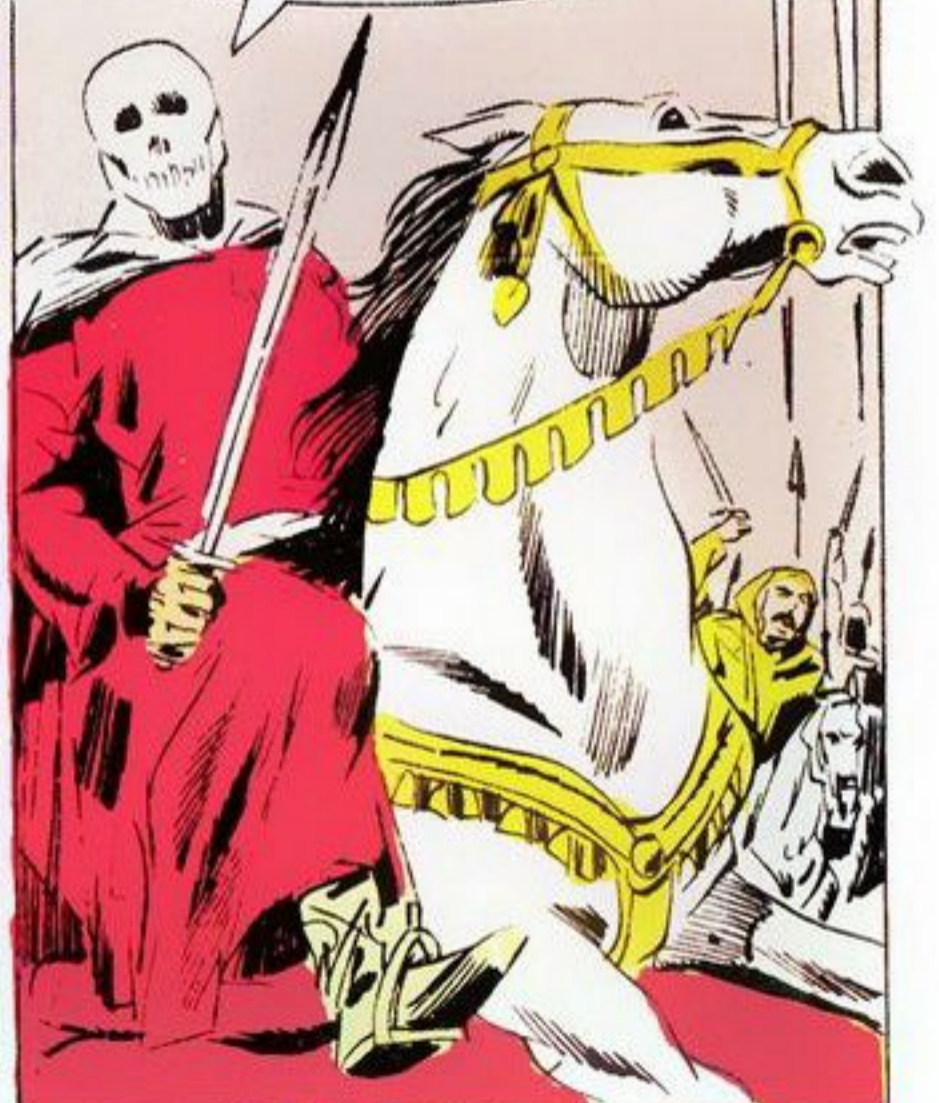
बुखारा में प्रवेश किया सीथियनों ने।
सीथियन घुड़सवारों की फौज आ गई। भागो! भागो!
पूरे नगर को चारों ओर से घेरने के बाद आरम्भ हुई एक महानतम लूट!
ज्वैलर्स रु-अफजा
हुआ कत्ले-आम-
खच्च
खून और सोना ही भाता है सीथियनों को!
लेकिन आज सब कुछ उतना आसान नहीं है!
आओ! आओ दरिंदो! सूसन सुजा देगी तुम्हारे गन्दे चेहरे!
सूसन! ब्लैक बैल्ट चैम्पियन!
थड़ाक
धड़ड़ड़
आज की दरिंदगी महंगी पड़ेगी तुम्हें!

बहादुर है तू! तेरा खून बुल्गार की शराब को और नशीला कर देगा।

नहीं!

लेकिन यह क्या! माथा सीथियन का ही सुर्ख हो उठा खून से!

चौंक पड़े थे खूनी सीथियन वह दृश्य देखकर—

सूसन ने भी निगाहें उठाकर देखा अपने मददगार की ओर—

क्या ये नागराज है? जिसके जिस्म में वास करते हैं सैकड़ों सांप।

नागराज!
बहुत खून बहा चुके। बहुत कर चुके लूट। अब तुम्हारे खात्मे के लिए नागराज आया है।
जवाब में बारूदी तीर लपके नागराज की ओर, लेकिन –
तुम्हारे तीरों का टारगेट बदल जाये तो नुकसान तुम्हारा ही है।
लेकिन ध्यान रहे। नागराज का निशाना कभी नहीं चूकता।
सर्परस्सी पर झूलते नागराज का कहर भी देखा सीथियनों ने –
नागराज की मौजूदगी में सूसन के लिये यह लड़ाई बेहद रोमांचक थी –
नागराज! सम्भलना। और सीथियन आ रहे हैं।
पूरे शहर पर कब्जा है इनका। इन पर कब्जा करेंगे मेरे सर्प सैनिक।

उफ! कौन है ये नागराज?
सांपों का राजा, नागराज!
इसके सांपों ने हमें बन्दी बना लिया है।
नफरत से भरी चीख पड़ी सूसन—
नागराज! इन्हें जीवित मत छोड़ना, खून पीने वाले पिशाच हैं ये।
घबराओ नहीं! अब एक भी सीथियन घुड़सवार जीवित नहीं रहेगा।
ठीक तभी नागराज और सूसन ने देखा एक आश्चर्य!
बचो!
ओह! यह क्या?
नागराज के सामने प्रकट हुआ बुल्गार का मानसिक चित्र।
पहली बार किसी ने सीथियनों को कैदी बनाया और मानसिक शक्ति के प्रहार से मुझे उन सीथियनों को उड़ाना पड़ा।
नागराज की मानसिक शक्ति से टकराई बुल्गार की मानसिक शक्ति—
नागराज! तुम्हारे कारण आज मुझे अपनी सीथियन फोर्स के कुछ जवानों को मौत के घाट उतारना पड़ा।
एक भयानक मौत के लिए तैयार रहना और इसे बुल्गार की चेतावनी समझ नागराज! यहीं बुखारा में बनाऊंगा तुम्हारी कब्र।

नागराज ने मानसिक शक्ति से प्रत्युत्तर दिया बुल्गार को –
बुल्गार! अब तुम और हंगामा नहीं मचा सकोगे रूस में। नागराज तुम्हें तुम्हारी सीथियन फोर्स सहित खत्म करेगा।
बुल्गार की बाकी बची सीथियन सेना धूल भरी आंधी उड़ाती गायब हो गयी बुखारा से –
उधर सूसन अभी तक हैरान खड़ी थी –
नागराज! यह कैसा करिश्मा था। एकाएक बारूद की तरह कैसे फट पड़े सब कैदी सीथियन?
सीथियनों का नेता बुल्गार मानसिक शक्तियों का भी मास्टर है।
लेकिन तुम कौन हो? तुम्हें बहादुरी के साथ सीथियनों से लड़ता देख अच्छा लगा मुझे।
नागराज! मेरा नाम सूसन है। मेरे पिता बादुखान बुखारा के सबसे बड़े व्यापारी हैं सोने के और मैं के. जी. बी. की जासूस हूं।...
... नागराज! अगर तुम ठीक वक्त पर न आ जाते तो मेरा बचना मुश्किल था।
अगर मैं तुम्हारे किसी काम आ सकूं तो मुझे खुशी होगी नागराज!
सूसन! मैं सोने के सबसे बड़े व्यापारी तुम्हारे पिता बादुखान से मिलना चाहूंगा।
क्यों नहीं नागराज! मैं तुम्हें उनसे अवश्य मिलवाऊंगी।
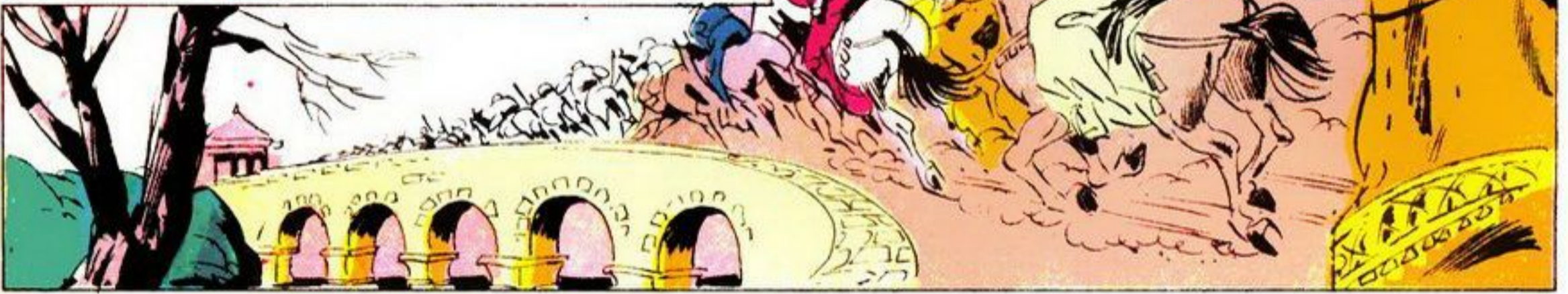
सेनापति बागूरेब उस ज्वालामुखी की शक्ल के टीले पर चढ़ गया—

सारा सोना खजाने में जमा कर दो।

बुल्गार की नज़रों से लाल आंखों से कहर टूट पड़ रहा था—

अब देवता बकोरा की पूजा होगी! सब सीथियन मकबरे में पहुंचे।

बुल्गार गला फाड़कर हंसा—

हा हा हा हा हा! नागराज! तुम्हारी मौत के बाद यहां जश्न होगा।

नागराज को लेकर बादूखान के सामने उपस्थित हुई सूसन।

नागराज! इनसे मिलो! ये हैं मेरे पिता।

मिस्टर बादूखान!

नागराज!

मेरी बेटी के अलावा इस दुनिया में मेरा कोई नहीं है नागराज!
मैंने तो केवल अपना फर्ज पूरा किया है मिस्टर बाटूखान!
नागराज! खूनी सीथियनों ने यहां आतंक मचा रखा है। सोने और खून के पिपासू सीथियनों से हमेशा डरे रहते हैं हम जैसे सोने के व्यापारी।
बुखारा में सीथियनों के आक्रमण के डर से मैंने तो अपने बंगले को छावनी ही बना दिया है।
आज अगर सीथियन यहां का रुख करते तो जीवित न बचते।
और अचानक एक प्रकाश पुंज सा चमका—
उफ! यह क्या?
इतनी चमक!
?
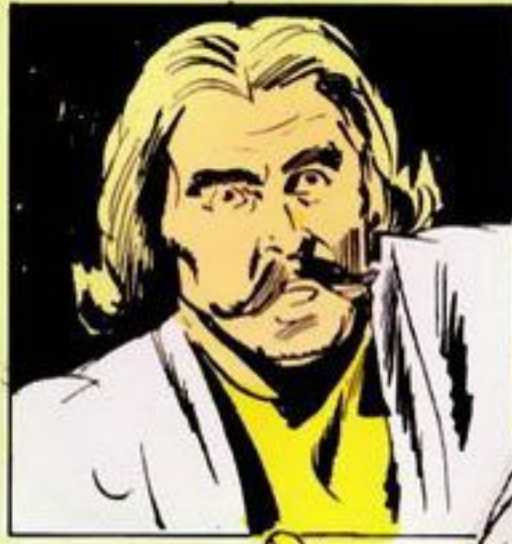
आंखें खुली की खुली रह गईं तीनों की —
चीख पड़ा बादूखान —
याकूत! बकोरा का जादू! नागराज! ये बकोरा के जादू का कमाल है! सीथियनों पर जब कभी संकट मंडराया, उन्होंने बकोरा की पूजा की और बकोरा ने उन्हें दिया एक शक्तिदूत ... याकूत! उस संकट से निबटने के लिए!
लेकिन याकूत का यहां क्या काम?
ये मुझे मारने आया है सूसन! नागराज को!

नागराज न सिर्फ बचा, बल्कि तीव्रगति से आते उस मन भर के नोकीलों को भी रोका—

थम्प

ये वार तुझे उल्टा पड़ेगा याकूत!

तूने ठीक कहा नागराज! बच याकूत के नोकीलों से

बचा नागराज का वार!
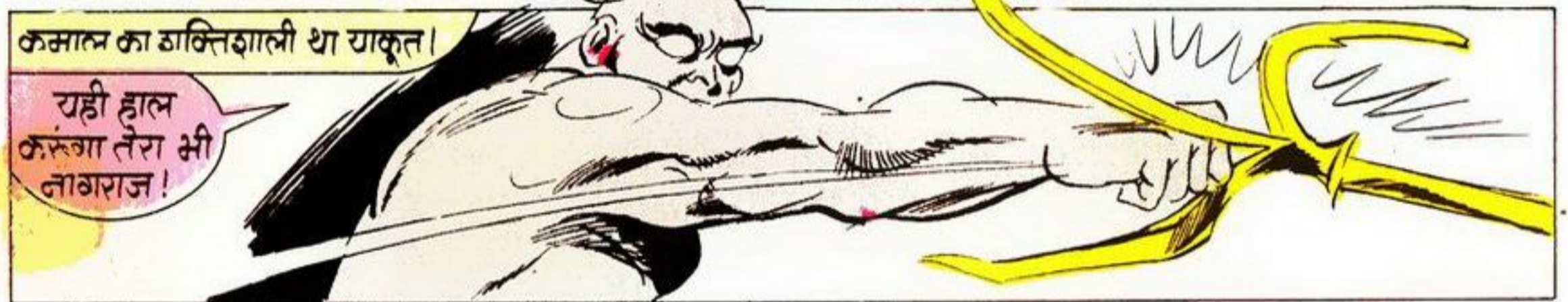
कमाल का शक्तिशाली था याकूत!

यही हाल करूंगा तेरा भी नागराज!

इसे शीघ्र ही रोकना होगा।
सूसन की तरफ अपना पांव बढ़ा दिया शैतान ने—
नागराज! बचाओ!
चिल्लाया बादूखान—
नहीं! याकूत!
रुक जा शैतान याकूत! तेरी दुश्मनी मुझसे है।
याकूत ने खींच लिया अपना पांव वापस—
सर्परस्सी पर प्रचण्ड वेग के साथ लहराया नागराज—
तब तक निकल गई सूसन मौत के मुंह से।
याकूत ने हल्की सी चपत जड़ी नागराज को—
नागराज तुम तो ठीक हो ना?
तुम्हारे गाल से रक्त बह रहा है नागराज!
मेरे घाव कुछ क्षणों में भर जाते हैं सूसन!
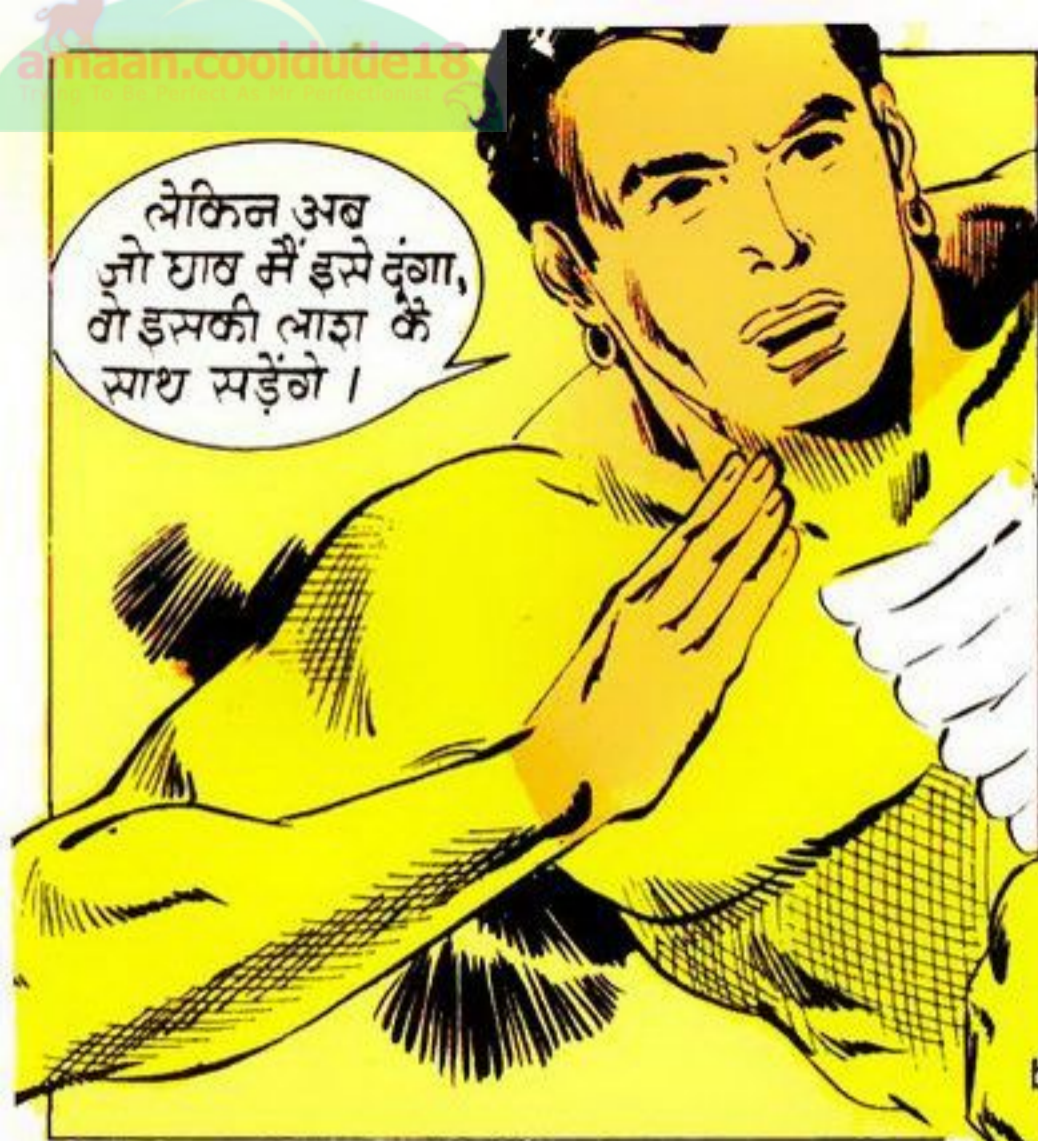
लेकिन अब जो घाव मैं इसे दूंगा, वो इसकी लाश के साथ सड़ेंगे।
नागराज ने पत्थर को भी पिघलाने वाली विष-फुंकार फेंकी –
याकूत की फूंक से आंधी सी आ गई –
ये विष-फुंकार मुझ तक पहुंचेगी ही नहीं नागराज!
बाटूस्वान और सूसन की आंखों में दिखाई पड़ी सर्वत्र चिन्ताही चिन्ता –
नागराज! ये शैतान हमें छोड़ेगा नहीं!
चिंता मत करो बाटूस्वान!
आज....
....इसका पाला पड़ा है....
...नागराज से।
नागराज अब अपनी कौन सी शक्ति का प्रयोग करने वाला है।
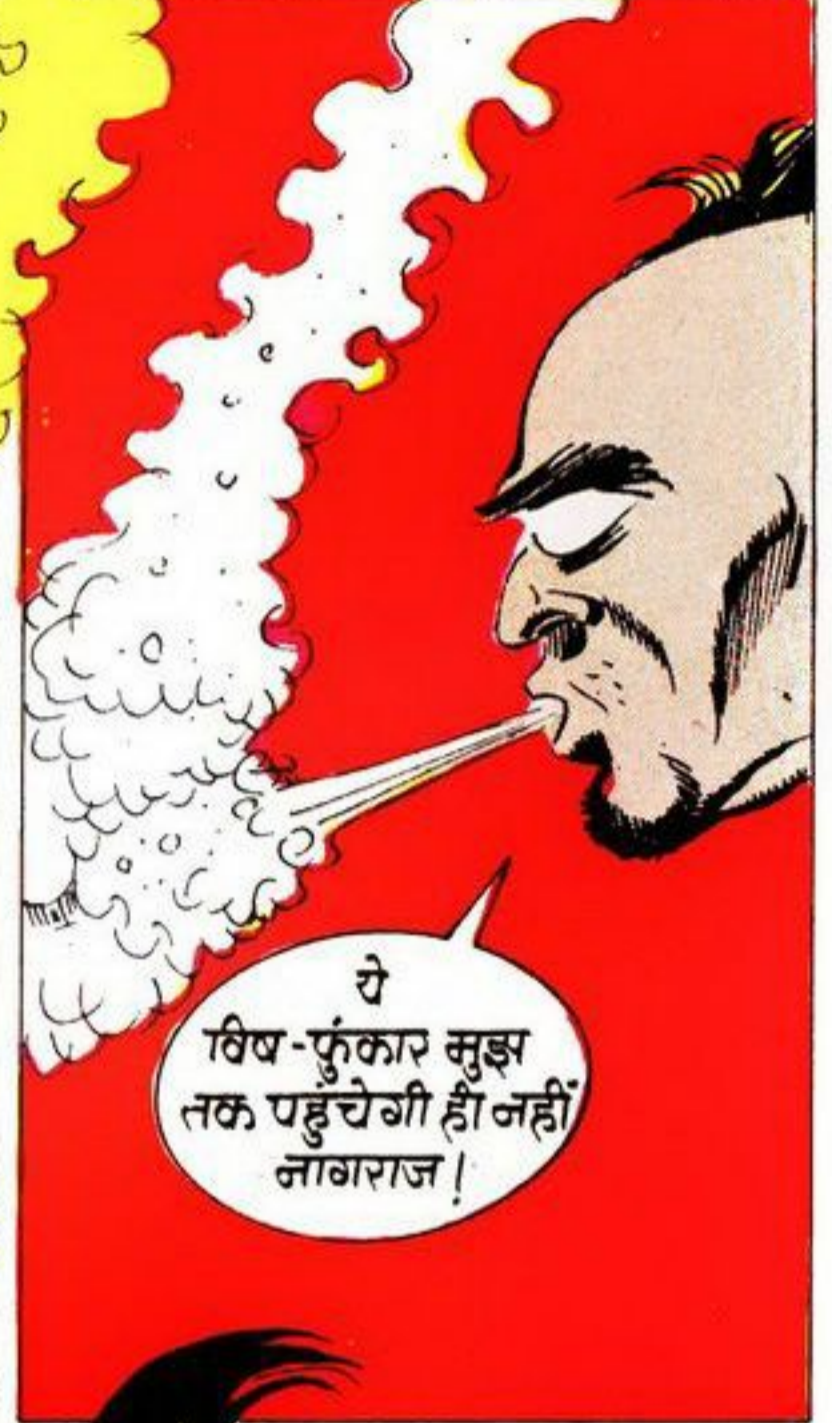
इच्छाधारी नागराज!
याकूत असाधारण जादुई व शैतानी शक्तियों का स्वामी है। और इससे मैं केवल अपनी इसी इच्छाधारी शक्ति के बल पर जीत सकता हूं, जो ऐसे ही किसी आपातकाल में इस्तेमाल करता हूं मैं।
उफ! नागराज याकूत बन गया!
विलक्षण दृश्य!
जय बाबा गोरखनाथ!

याकूत के मुंह से निकली एक भयानक डकार! कई फुट ऊपर उछल गया वह नागराज के उस प्रचण्ड वार से –
आह ऽ ऽ ऽ
क्यों याकूत? अब बराबर की टक्कर में कौन जीतेगा?
वही थी बराबर की टक्कर!
नागराज ने अपनी असीमित शक्ति का प्रदर्शन किया –
YOU'RE GREAT, NAGRAJ! इसे जीवित मत छोड़ना!
दुनिया का सर्वाधिक शक्तिशाली इन्सान है नागराज?
याकूत अब कहीं नहीं ठहर रहा था नागराज के सामने –
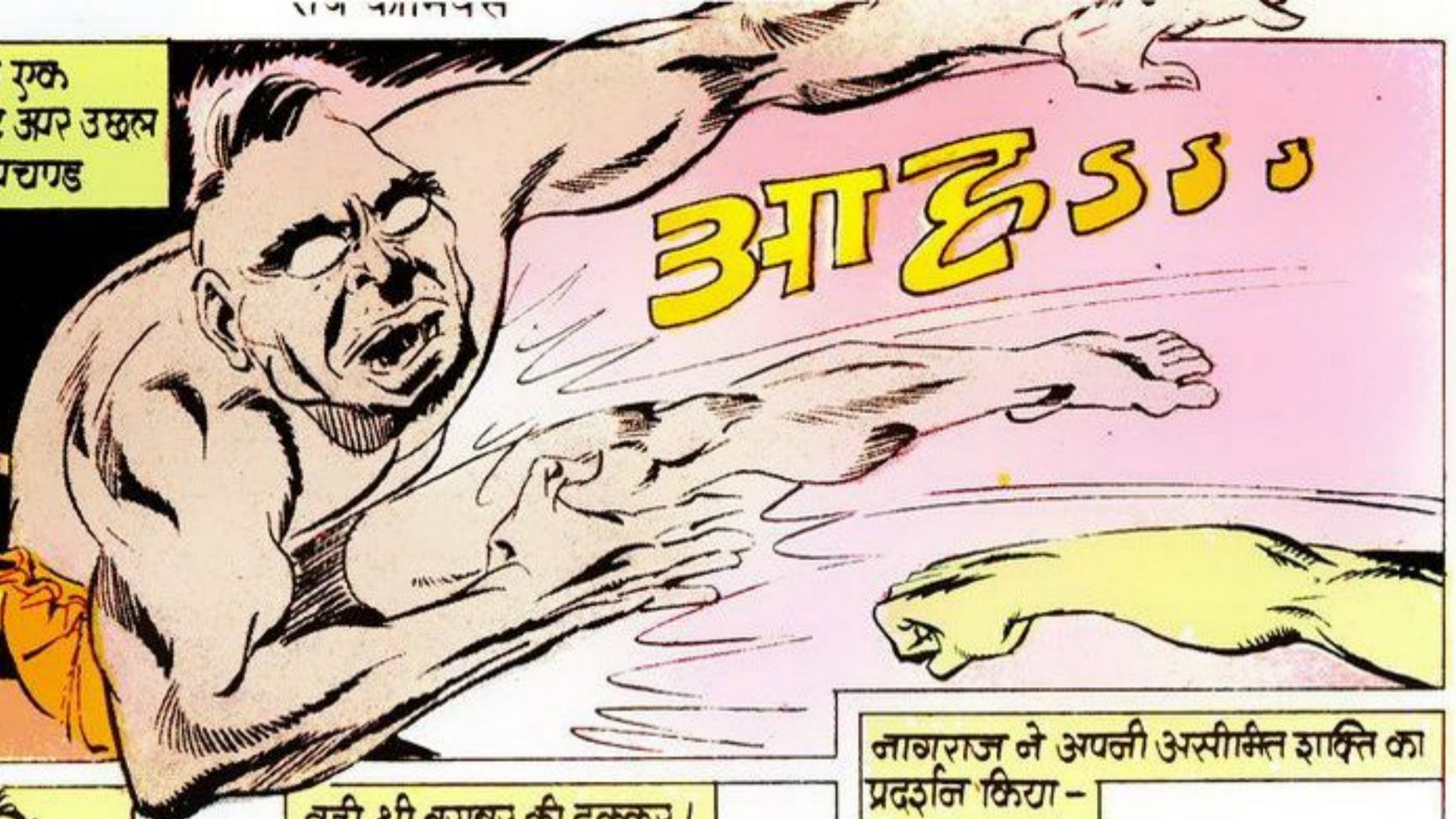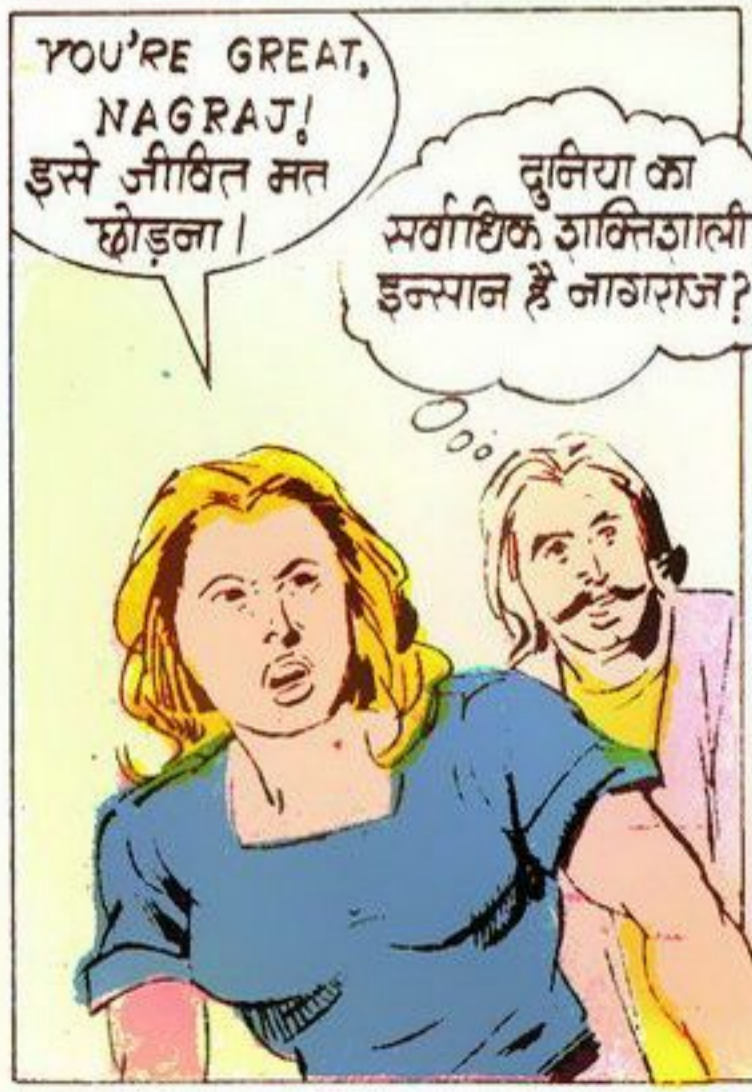
घुटने के एक ही शक्तिशाली वार में टूट गई याकूत की गर्दन—
कड़ाक
सूसन प्रसन्नता से चीख पड़ी—
नागराज... जिन्दाबाद
?
वापस लौट आया था नागराज अपने रूप में।
अब मुझे विश्वास हो गया नागराज कि तुम सीथियनों का आतंक दूर कर दोगे।
नागराज! याकूत को मारकर कमाल कर दिया तुमने।
शायद पहली बार ही टूटा है बकोरा का जादू। और सीथियनों की हिम्मत भी।
बादुखान! अब वह दिन दूर नहीं जब सीथियनों का भी यही हश्र करूंगा मैं।
नागराज! आज की रात तुम मेरे मेहमान हो। कल से आरम्भ करना सीथियनों की खोज।
मुझे कोई एतराज नहीं है, बादुखान!
हां, अपने गार्ड्स से कहकर याकूत को कब्र जरूर नसीब करवा देना।
उसकी तुम जरा भी चिन्ता मत करो नागराज!
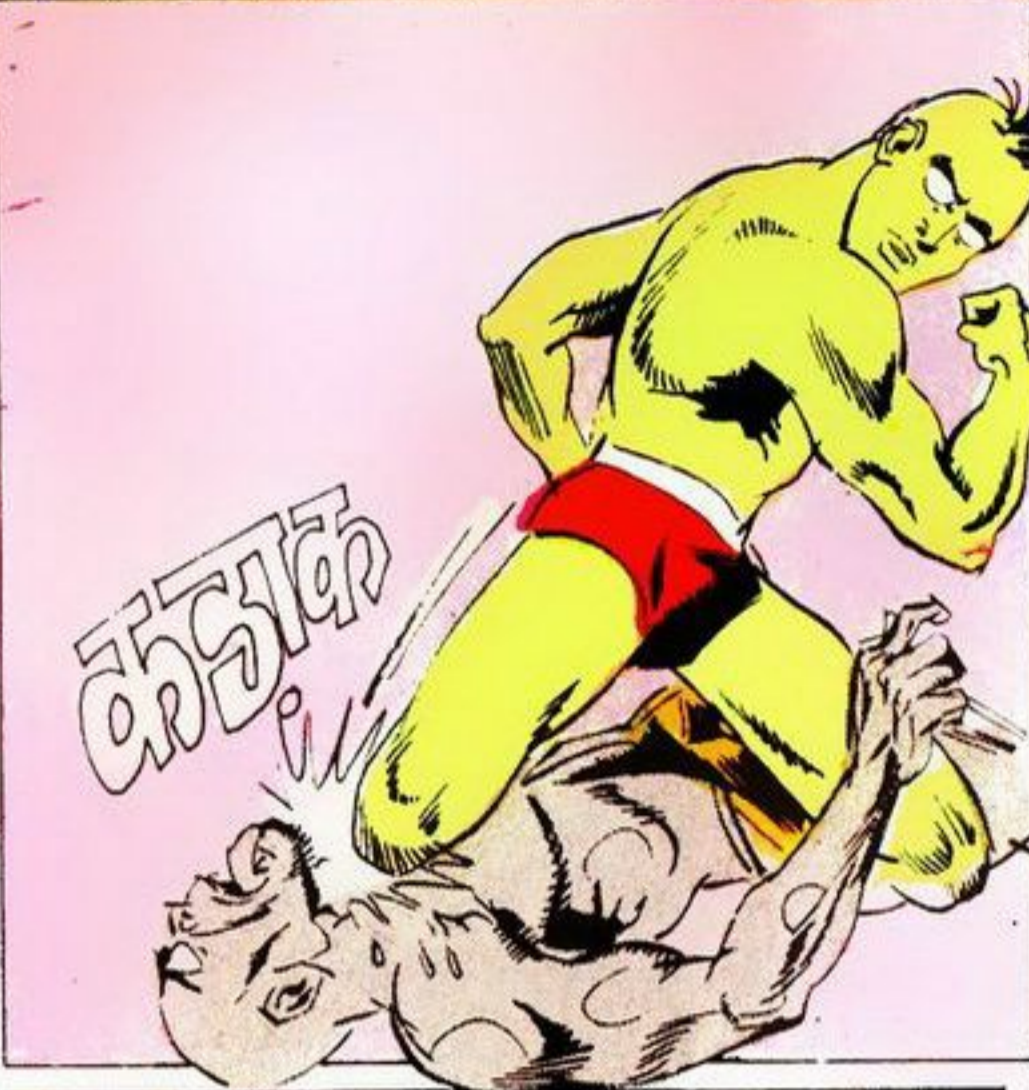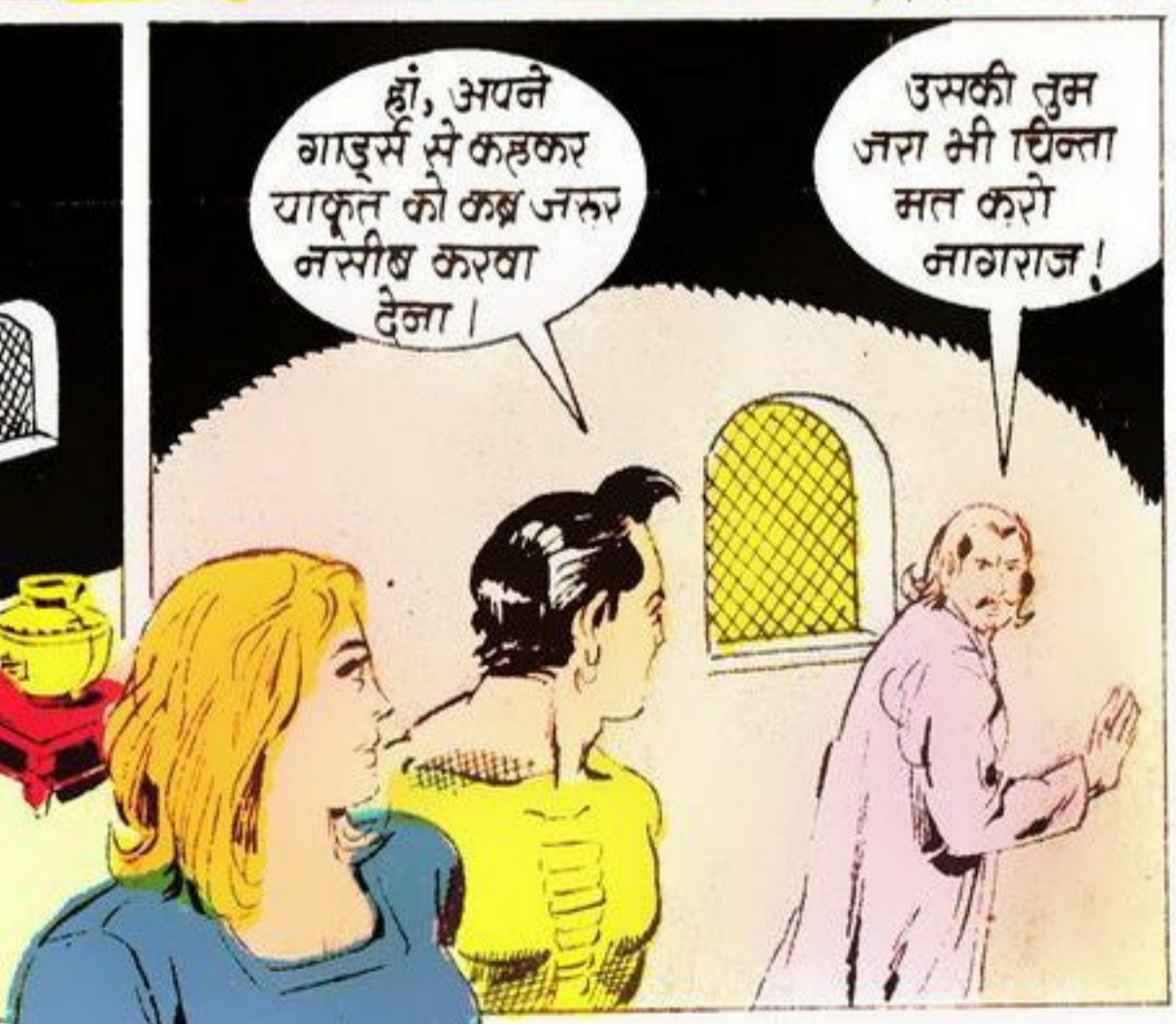
बुल्गार की आंखों से ज्वालामुखी फट पड़ा–
मारा गया। याकूत मारा गया।
नागराज! नागराज नागराज!
कल सीथियन किलर एवार्ड और देवता के खजाने का आधा हिस्सा मिलेगा उसे, जो लायेगा नागराज की खोपड़ी।
देवता बकोरा! देवता बकोरा! नागराज को वश में करने की शक्ति दे।
बकोरा की आंखों से तीव्र चमक के साथ निकला एक काला हीरा–
काला हीरा बुल्गार की हथेली पर आ गिरा–
हा हा हा! अब नागराज को कब्र में कैद करूंगा।
तभी चौंक पड़ा बुल्गार–
नागराज कब्र में कैद होने के लिए तैयार है बुल्गार!
नागराज! यहां?

सीथियनों के चेहरों पर खून नाच उठा—
नागराज! जिसकी खोपड़ी के बदले कल के जश्न में मिलेगा सीथियन किलर एवार्ड और देवता के खजाने का आधा हिस्सा।
बुल्गार! अब तुम मेरे हाथों से नहीं बचोगे।
इसी पल कई सीथियनों के शस्त्र हवा में सरसराए—
लेकिन नागराज वहां कहां था—
अब सिर्फ शैतान मरेंगे आदमखोरों।
शैतानों की पलटन में एक अकेला सिपाही लड़ रहा था जंग।
ठाक
च्याड़
च्हून
मकबरे में उतर आई सूसन भी अपने अंगरक्षकों के साथ—
नागराज मैं तुम्हारे साथ हूं।
सूसन!
प्रलय मचा दी सूसन ने—
आह!
आईऽऽ
रेट रेट
रेट

बुल्गार गरज उठा –
ऐ, बकोरा के जादू! नागराज को वश में कर!
यह कौन सा जादू है?
नागराज फंस के रह गया उस काले जादू के जाल में –
बकोरा के जादू से बच न सका नागराज –
उफ़
ठीक तभी –
सूसन के नीचे गिरते ही कई तलवारें उठ गईं उस पर –
नहीं, इसे मारना नहीं! कल जश्न में इसे देवता बकोरा को बलि चढ़ाया जायेगा!
बुल्गार सम्मोहित हो चुके नागराज के निकट पहुंचा –
बागुरोब! नागराज के लिये कब्र का इन्तजाम करो! हा हा हा!
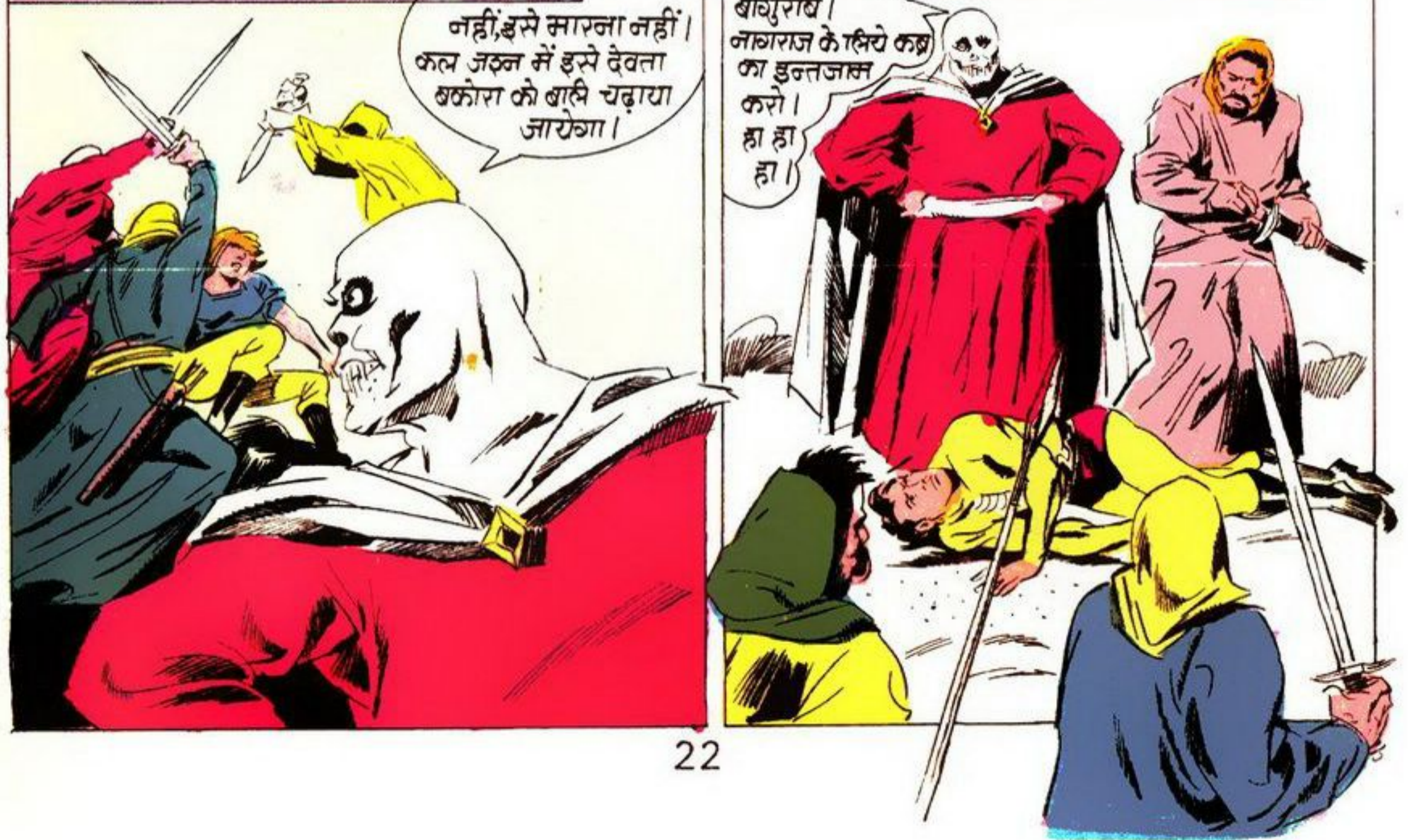
बाग्रोब! खोल दो पाइप का मुंह! बना दो नागराज को मोम का पुतला।

नागराज भीषण मानसिक श्रम कर रहा था उस काले जादू को तोड़ने के लिए।
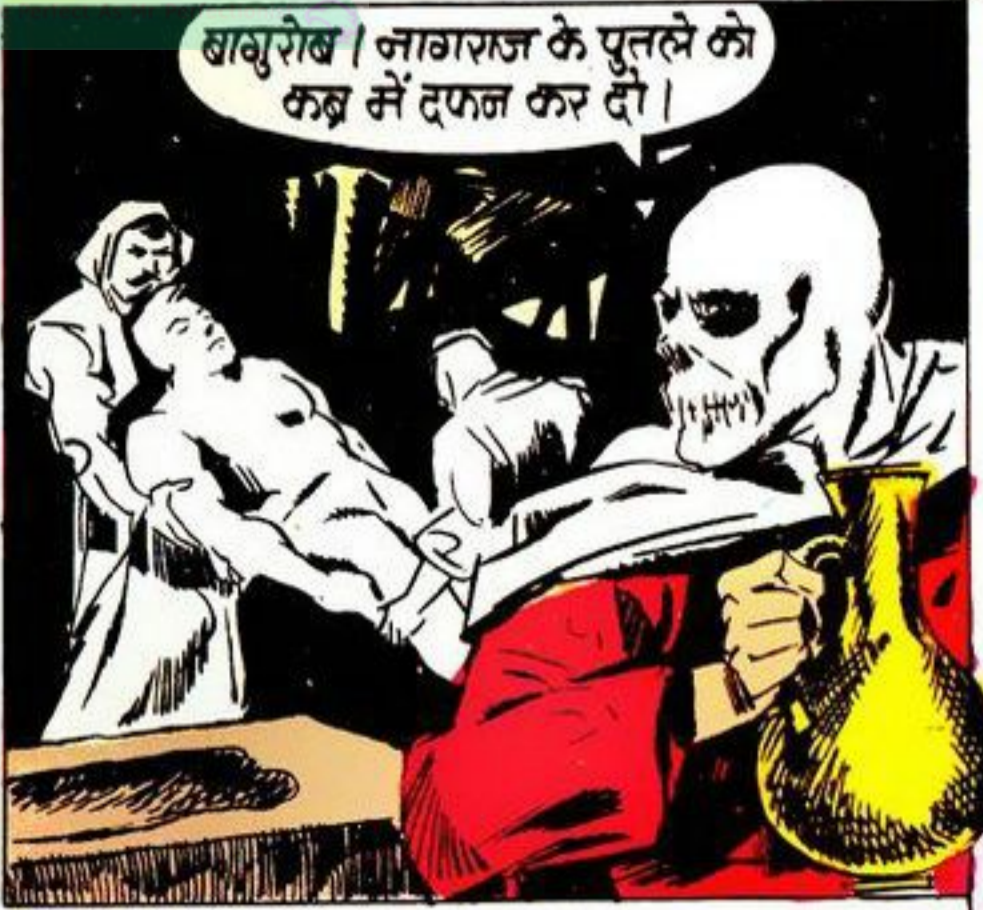
बागुरीब ! नागराज के पुतले को कब्र में दफन कर दो।
उधर सूसन को जल्दी ही होश आ गया—
आह ! मैं कहां हूं ?
जल्दी ही पता लग गया सूसन को—
किसी सुप्त ज्वालामुखी में या किसी मकबरे में ?
टटोलती हुई ऊपर जाने लगी सूसन—
इन्हें उम्मीद न होगी कि यहां से निकल सकती हूं मैं।
बिजली की तरह कौंधी सूसन—
तड़ाक
और उस ओर देखते ही सूसन की आंखें भय से फैल गईं—
उफ ! य००० ये तो नागराज है ! ये कहां ले जा रहे हैं इसे ?
नागराज की कब्र बना दी गई।
नागराज ! यहां से कभी न निकल पाओगे।
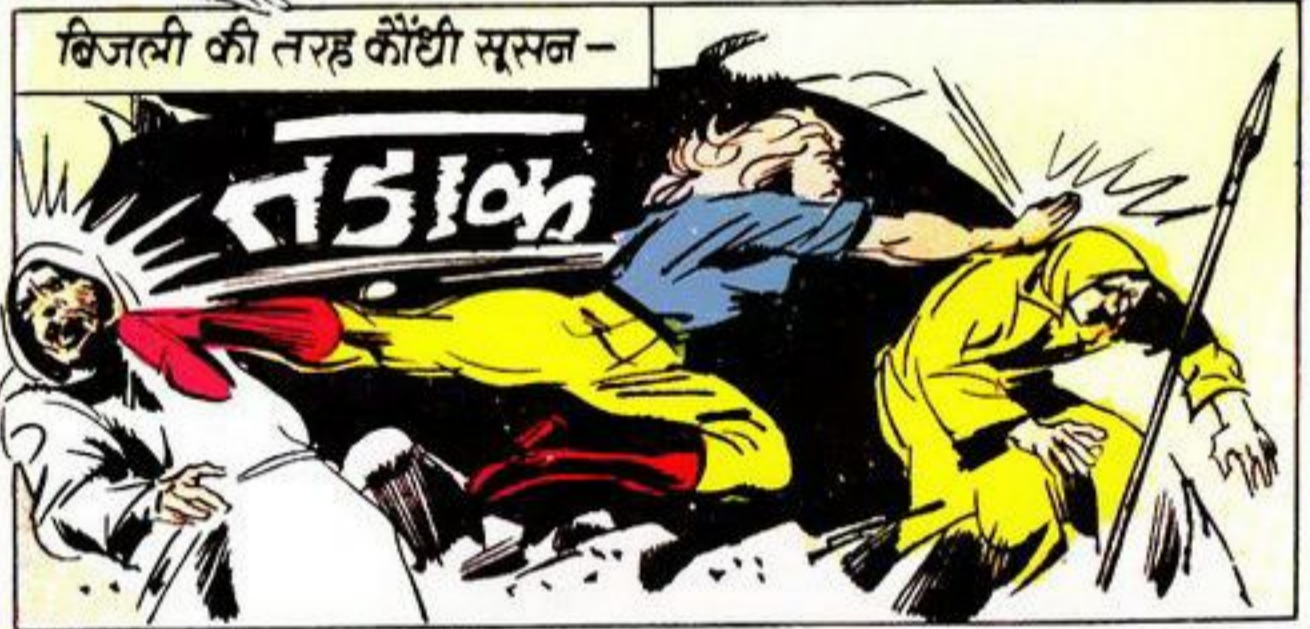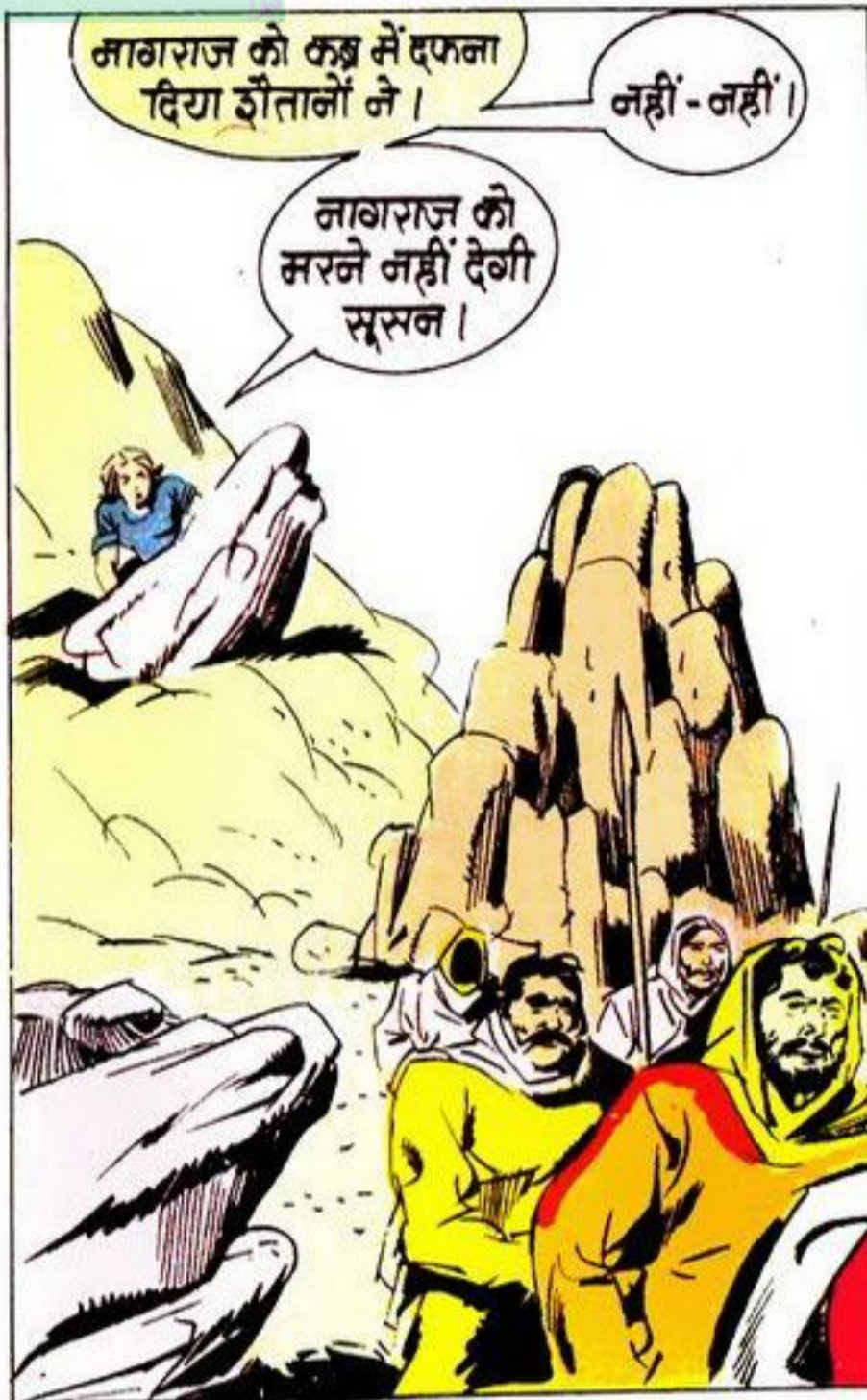
नागराज को कब्र में दफना दिया शैतानों ने।
नहीं-नहीं।
नागराज को मरने नहीं देगी सूसन।
आज मनेगा जश्न। हा हा हा।

बहुत कुछ घट रहा था उस मकबरे में-
जश्न की तैयारी करो बागूरोब!

पागलों की तरह बरसाती चली गई सूसन नागराज की कब्र पर अदना सा चाकू।

तुम्हें मरने नहीं देगी सूसन। नागराज! घबराना नहीं नागराज! कुछ ही देर में स्वतंत्र कर दूंगी मैं तुम्हें।
नागराज के लिए कितना प्यार भरा हुआ था सूसन के उस प्रयास में।

उसकी करुण आवाज नागराज की कब्र को चीरे दे रही थी-
नागराज! मैं जानती हूं मौत भी पास आने से डरती है तुम्हारे। तुम जीवित हो। बाहर आओ।
किन्तु चट्टानों का सीना चीरने में पूर्णत: असमर्थ था उसका चाकू।

तुम बाहर ना आए नागराज! तो सूसन भी खुद को मार डालेगी।
उठ गया हाथ सूसन का अपनी जिंदगी देने को।

तभी एक भीषण धमाका हुआ –
धड़ाम...
और मोम का पुतला चट्टान की कब्र फाड़ कर बाहर निकला –
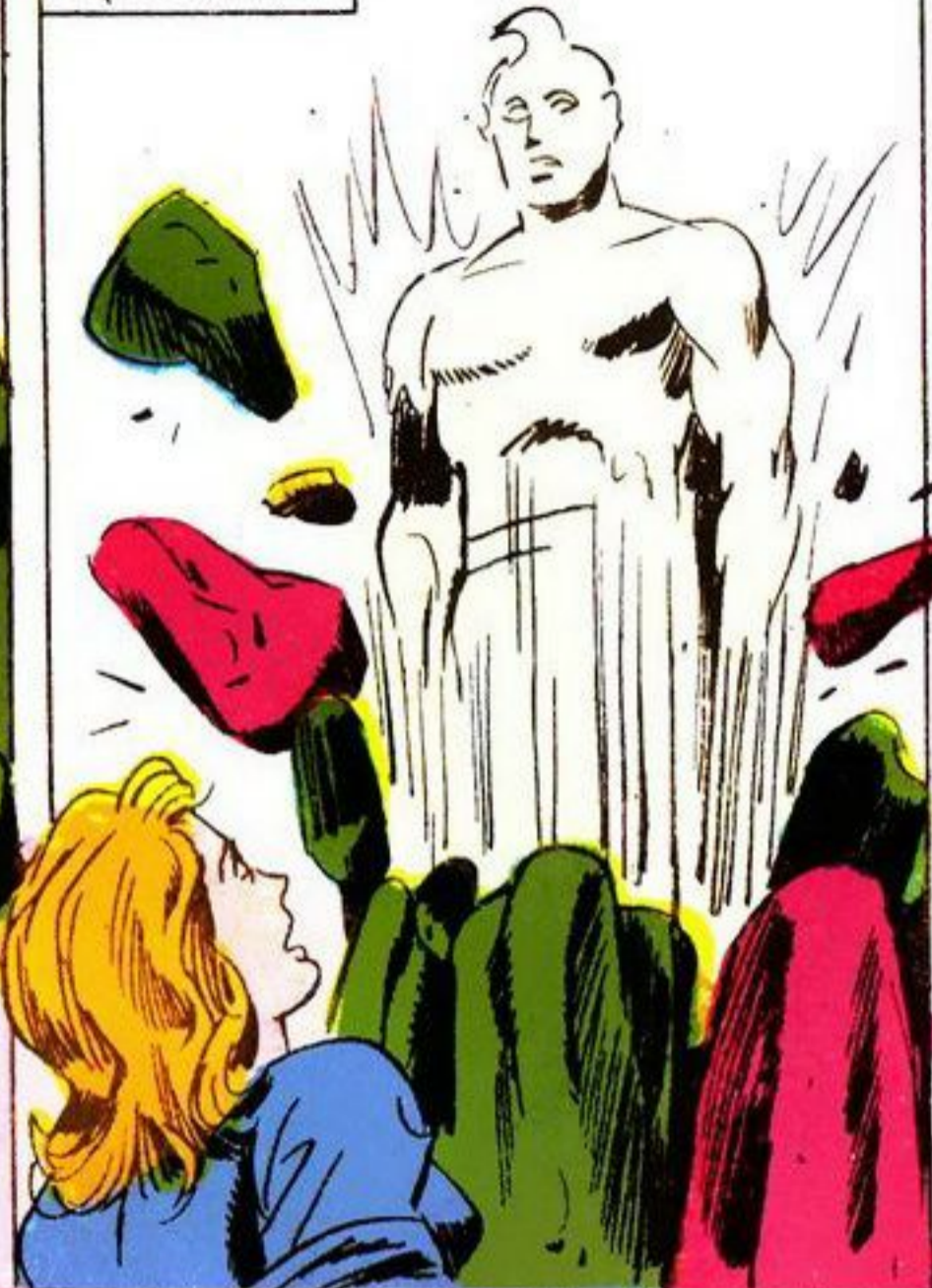
हैरानी से खड़ी देखती रह गई सूसन –

नागराज के भीषण मानसिक श्रम के कारण उत्पन्न गर्मी पाकर पिघलने लगी उस पर चढ़ी मोम की परत –

कह उठा नागराज –
सूसन!
ओह, नागराज! तुम ठीक हो नां?

सूसन! आज तुम्हारे कारण मैं बकोरा के काले जादू से मुक्ति पा सका। अगर तुम मुझे पुकारती न तो मैं न जाने कब तक बंधा रहता काले जादू में। लेकिन तुम इनके पंजे से जीवित कैसे बच गई?
तब सूसन ने जो कुछ बताया उसे सुन-कर नागराज की आंखें चमक उठीं।

नागराज! सीथियनों के साथ बुल्गार कोई जश्न मना रहा है।
उसकी मौत का जश्न होगा ये।
जश्न अपने पूरे शबाब पर था—
चियर्स! नागराज की मौत के नाम पर। हा हा हा।
नागराज की मौत के नाम पर नहीं बादूखान, बल्कि तुम्हारी बर्बादी के नाम पर।
बादूखान?
नागराज! सूसन!
नागराज! ये क्या कह रहे हो तुम?
हां सूसन! ये बुल्गार कोई और नहीं, तुम्हारे पिता बादूखान हैं।
अन्यथा तुम अभी तक इन स्वानियों में जीवित न बची रही होती। क्यों बादूखान, मैंने ठीक कहा न?
हैरान न हो बादूखान! तुम्हारे चीखने पर याकूत ने सूसन की तरफ बढ़ता अपना पैर खींच लिया, तभी मुझे तुम पर शक हो गया। अपने सर्पसेना नायक नागानन्द को मैंने तुम्हारे पीछे लगा दिया और उसी की सूचना पर मैं पहुंचा था तुम्हारे अड्डे पर।
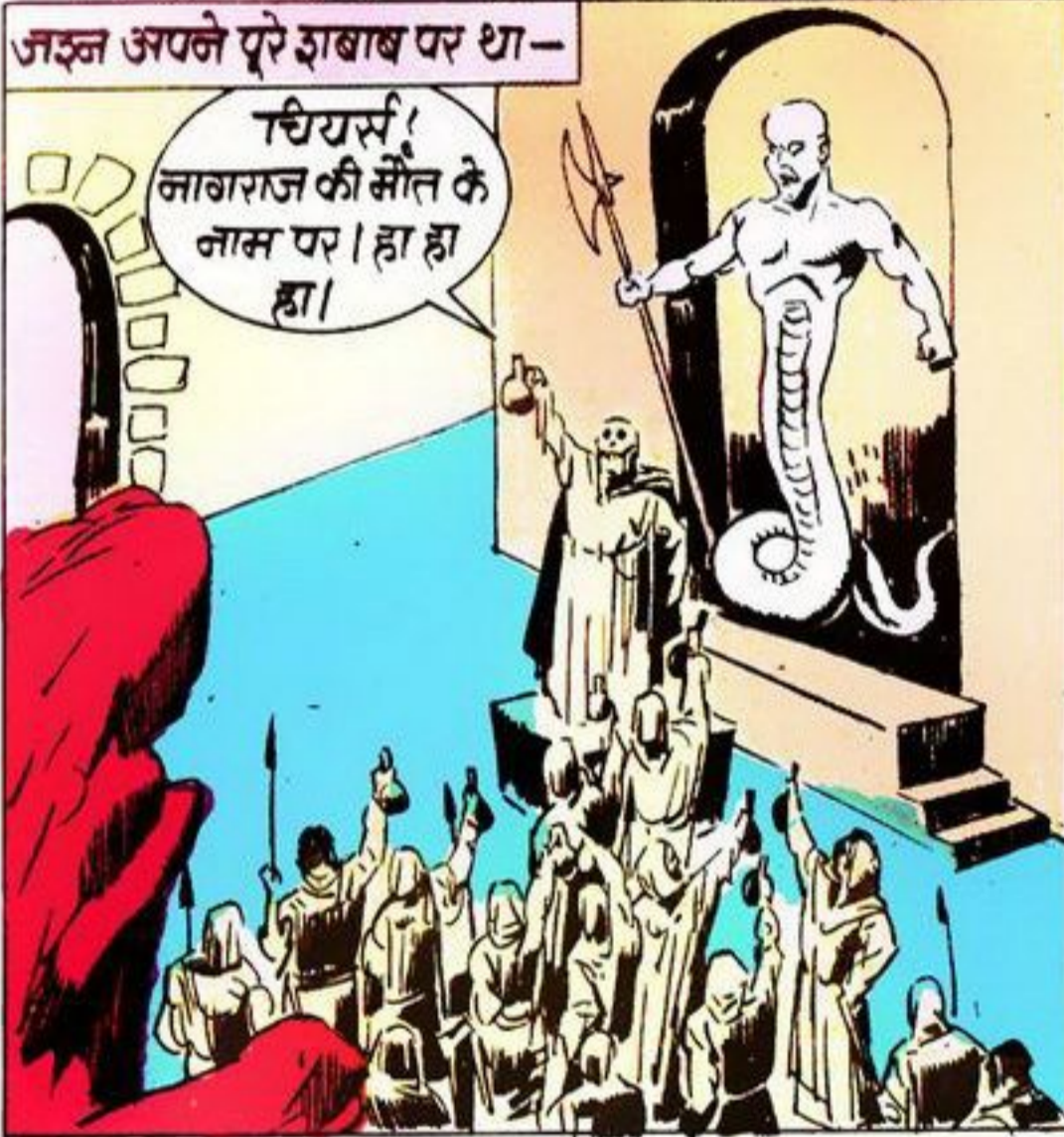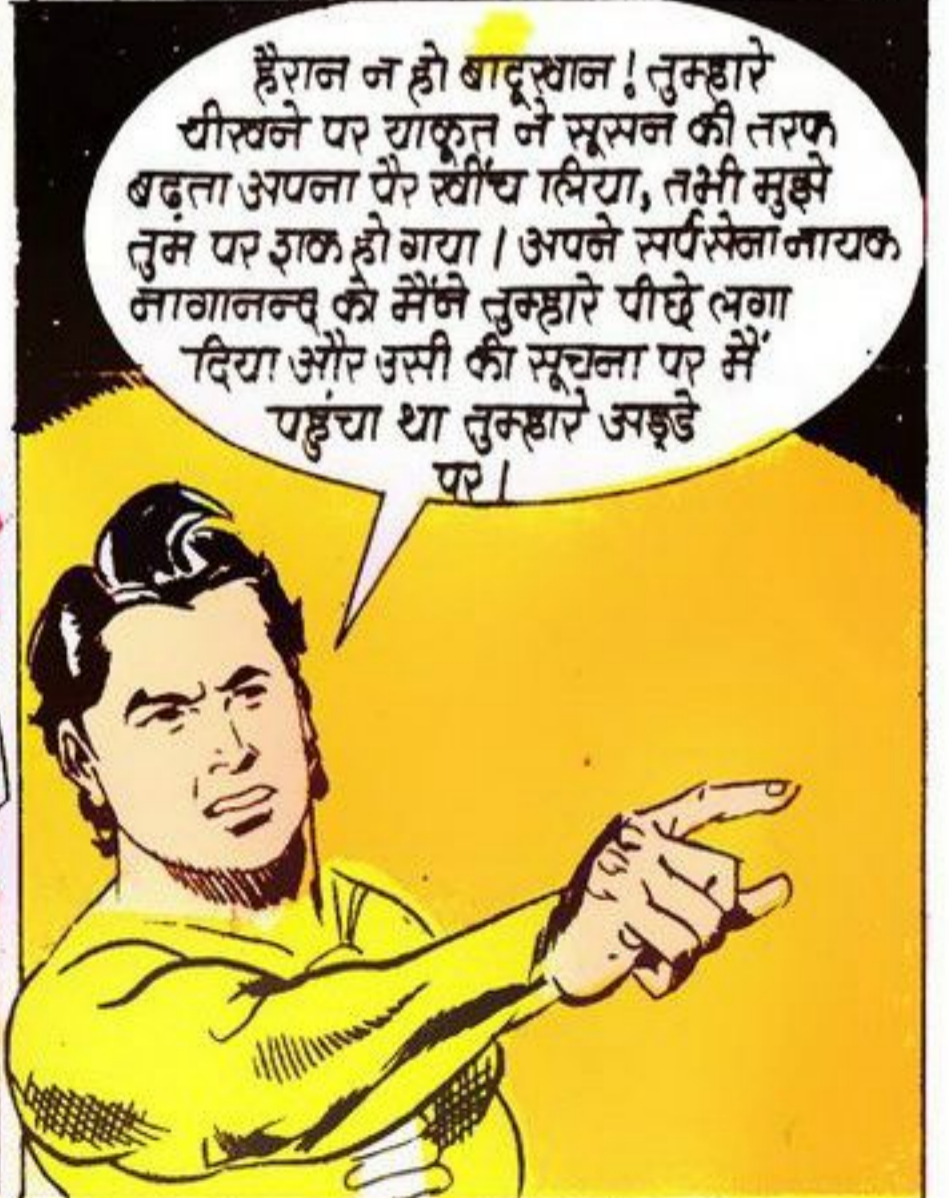
तुमने ठीक पहचाना नागराज! मैं ही बादूखान हूं!
नहीं! उफ
सोने की खानों की खोज करते हुए मैंने स्वर्ण खानों को तो नहीं, बल्कि सीथियनों के खूनी कबीलों को ढूंढ़ लिया जो कि अपने खूनी खेल छोड़ चुके थे!
काले हीरे का धारक सीथियन राजा था बहुत बड़ा जादूगर, जिसे मारकर मैंने काला हीरा हथिया लिया—
आह!
रैट रैट
रैट
और मास्क चढ़ाकर काले जादू के बल पर बन बैठा मैं सीथियनों का राजा बुल्गार—
हा हा हा! बुल्गार के आगे उठने वाला सिर काट दिया जायेगा!
सोने को लूटने की प्रेरणा भी मुझे सीथियनों के इतिहास से मिली! मैंने उन सभी सीथियनों को दोबारा लहू का प्यासा व सोने का लुटेरा बनाया!
और अब तुम्हें बकोरा के जादू से मार डालूंगा मैं नागराज!
नहीं! नहीं!
बकोरा का जादू मेरे लिए खतरनाक है!
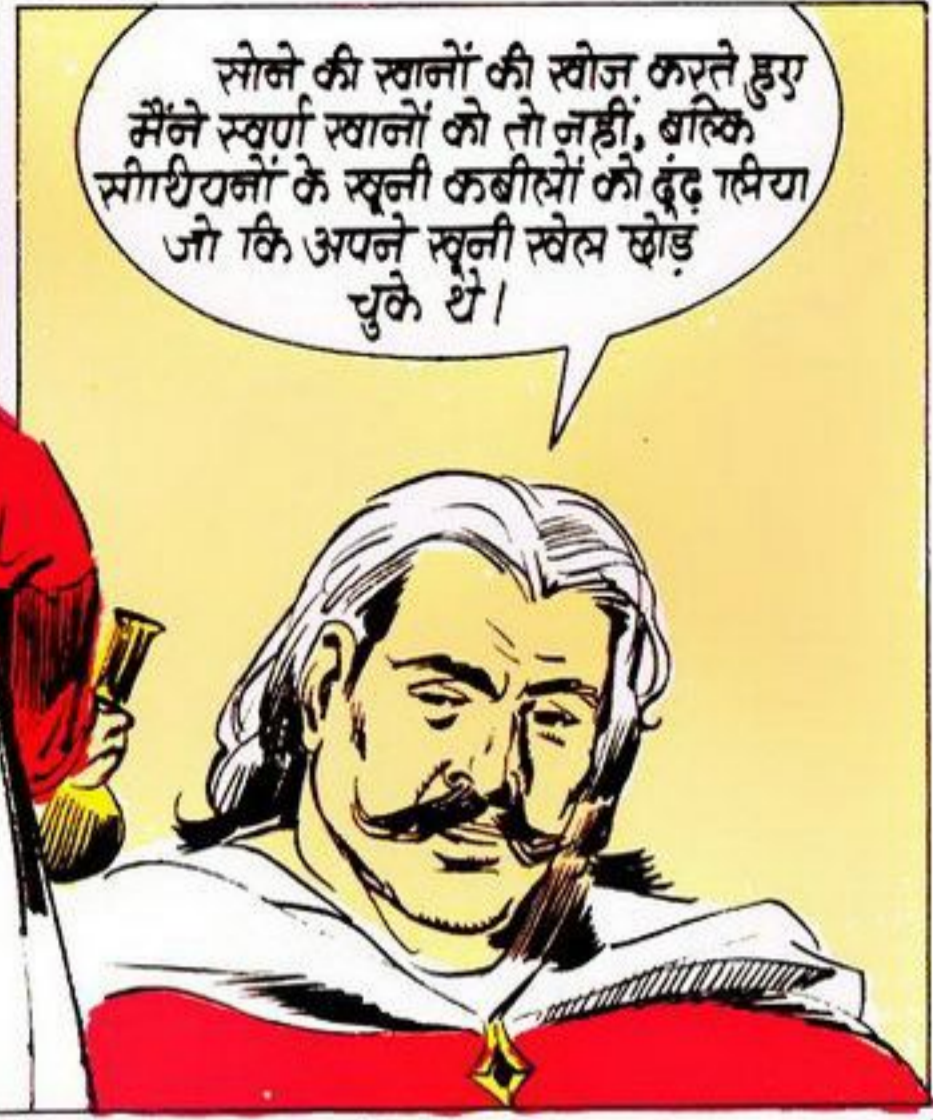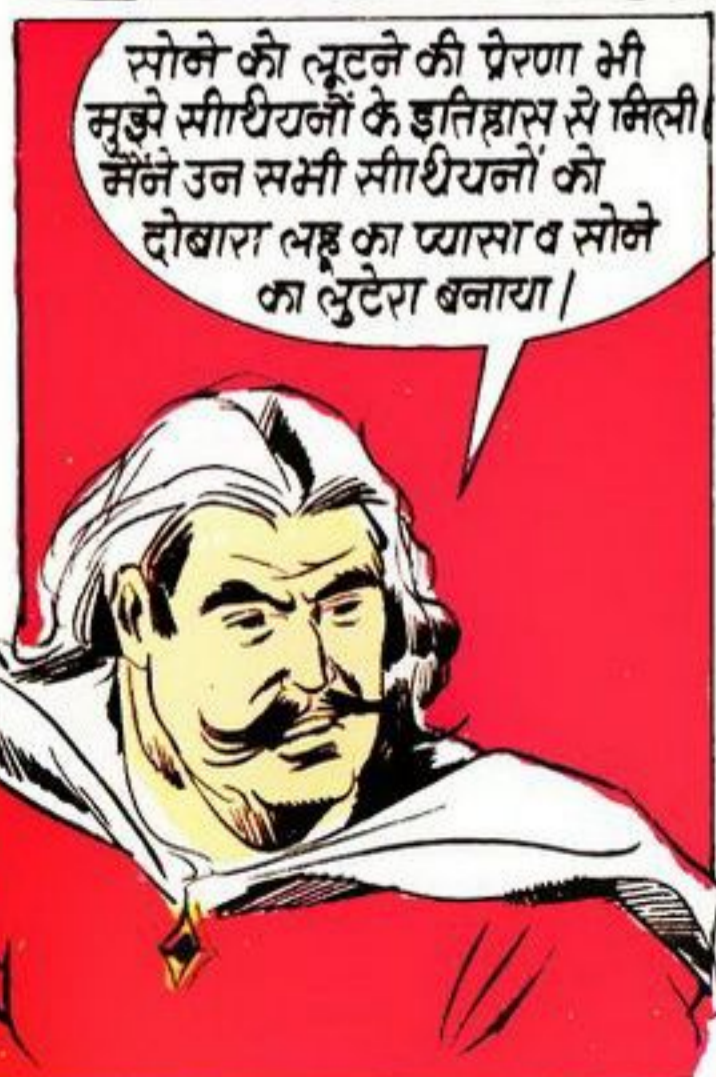
बादूरखान ने किया देवता बकोरा का आह्वान—
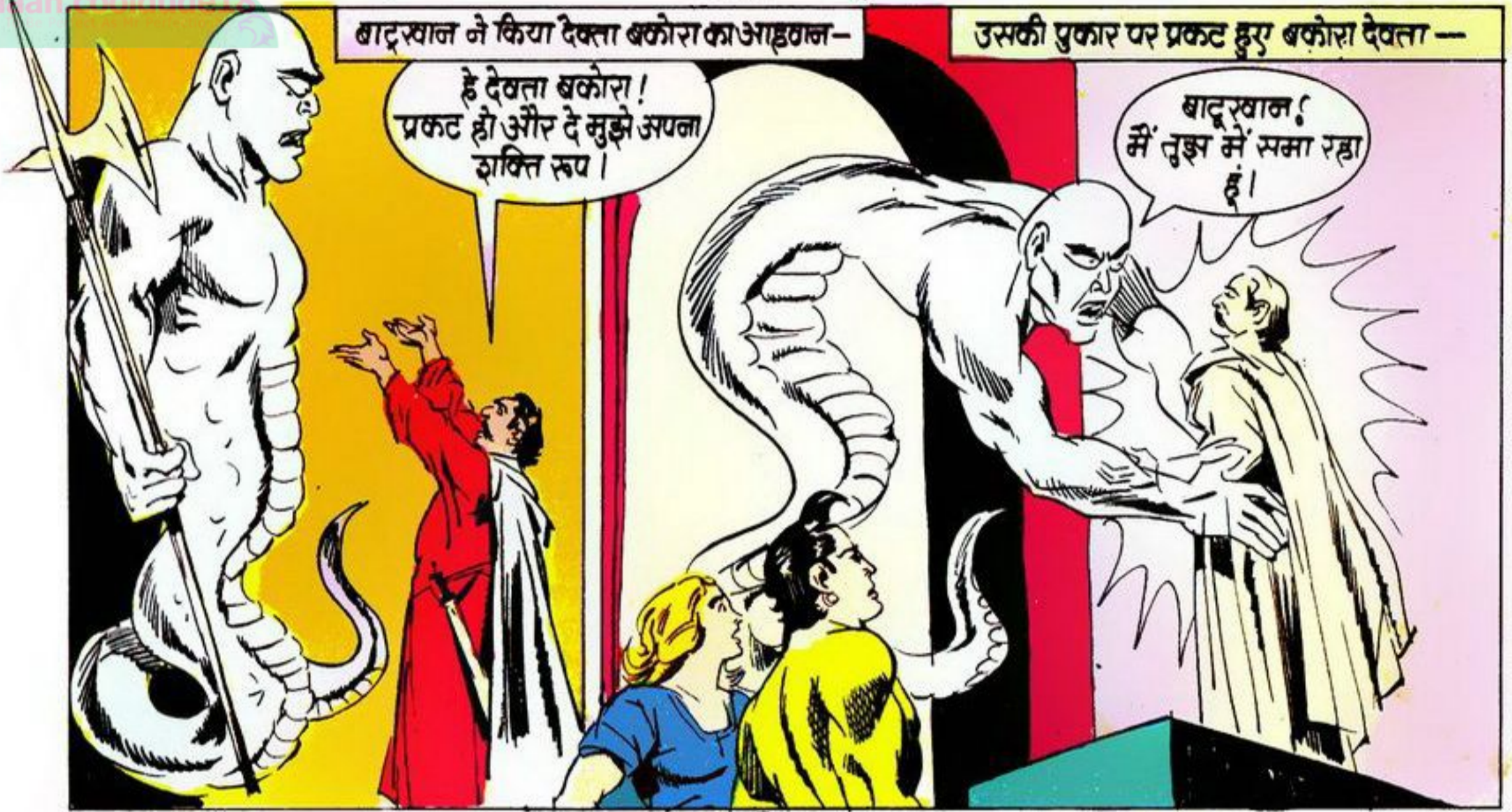
हे देवता बकोरा! प्रकट हो और दे मुझे अपना शक्ति रूप।

उसकी पुकार पर प्रकट हुए बकोरा देवता —

बादूरखान! मैं तुझ में समा रहा हूं।

बादूरखान में समा गया बकोरा देवता—

अब तू नहीं बचेगा नागराज!
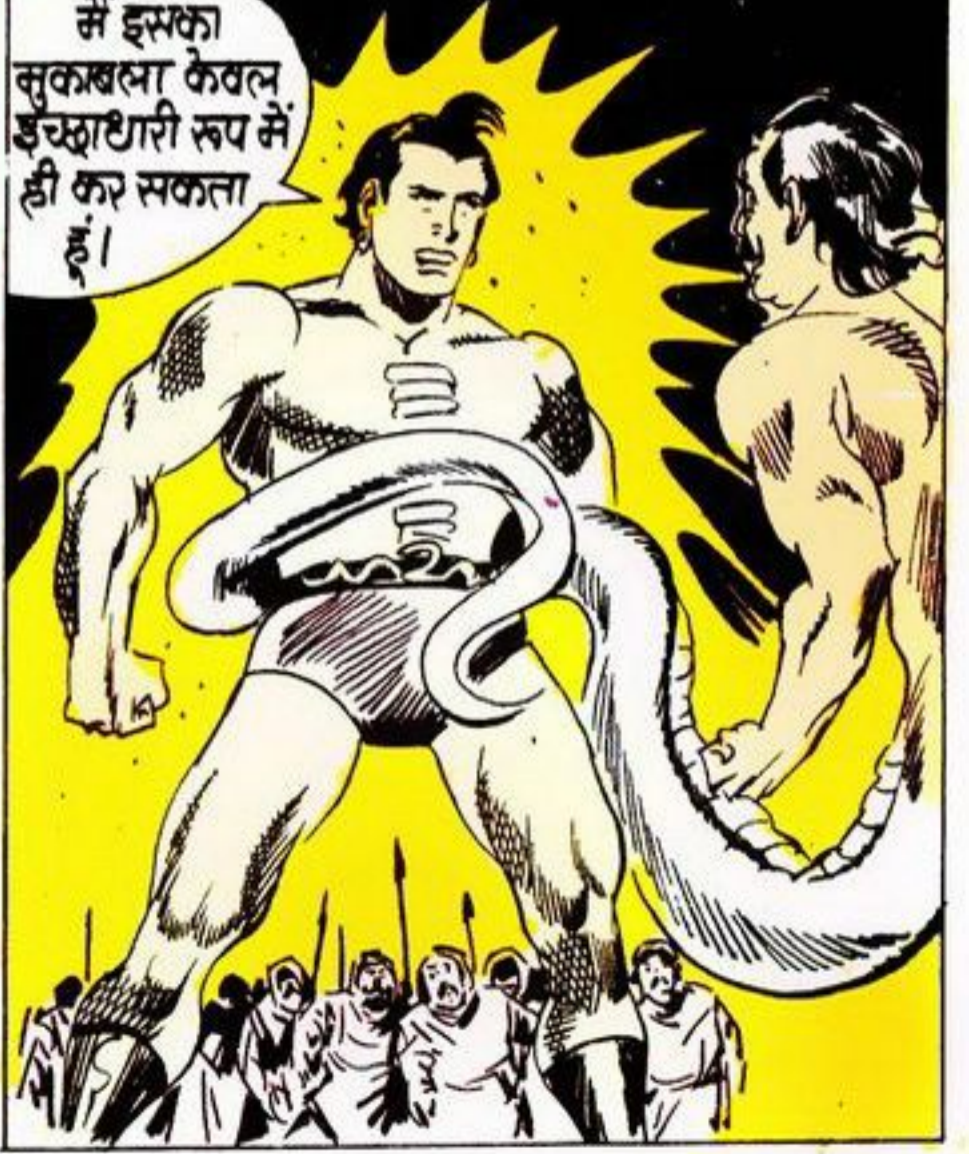
उस शक्तिशाली इच्छाधारी रूप में वह बकोरा देवता से किसी कदर भी कमजोर न था।
अब देखता हूं बादूस्वान कौन जीतेगा?
धड़ाक
और नागराज के कुछ जबरदस्त प्रहारों ने बादूस्वान को मजबूर कर दिया उसे छोड़ने पर —
बाजी हाथ से जाती देख बादूस्वान ने निकाल लिया काला हीरा —
काले हीरे के जादू से तो न बच पायेगा तू!
नागराज की सर्प सेना का नायक नागराज की कलाई से बाहर निकला —
जाओ नागानन्द! काला हीरा छीन लो!
बादूस्वान काले हीरे के जादू का इस्तेमाल न कर सका —
अरे! ये सांप मेरा हीरा...
हीरा हाथ में आते ही नागराज ने पुकारा बकोरा देवता को —
हे बकोरा देवता! छोड़ दो इस शैतान का जिस्म! क्योंकि अब मैं इसके जिस्म की दुर्गति करने वाला हूं।
अगले ही पल बकोरा देवता ने छोड़ दिया बादूस्वान का जिस्म —
नहीं ऽऽ

नागराज ने भी त्याग दिया इच्छाधारी रूप—

खत्म कर दो नागराज को!

हजारों की संख्या में नागराज की सर्पसेना के जांबाज सैनिक टूट पड़े सीथियनों पर—
फ
फूं
फूस्स

नागराज जा पहुंचा बादूखान के सामने—
बादूखान! आज तुम्हें बचाने कोई नहीं आयेगा!
नागराज! ये शैतान है! इसे जीवित मत छोड़ना नागराज!

बादूखान फिर टूट पड़ा नागराज पर—
स्वर्ण-सम्राट बनने का मेरा सपना तूने चूर-चूर कर दिया नागराज!
नागराज ने बादूखान का बढ़ा हुआ मुक्का थाम लिया—
बादूखान! बुरे काम का बुरा नतीजा होता है!
आह!

मुद्रक : जापान आर्ट प्रैस